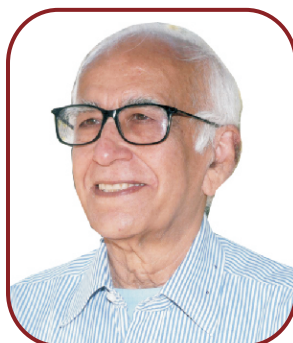


Padma Shri



PROF. DILIP T. SHAHANI

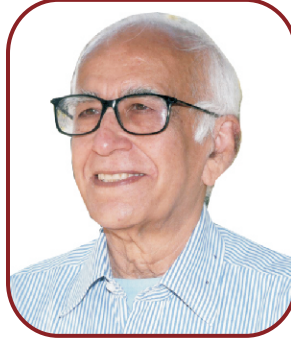
Prof. Dilip T. Shahani is an Honorary Professor at IIT Delhi after an accomplished career in various academic and leadership roles since 1973. He is recognized for his excellent teaching skill. He is Chairman of Technical Expert Committee for ECI and Technical expert at RBI & Police.

2. Born on 15th April, 1950, Prof. Shahani received Bachelor of Technology degree in ECE in 1973 from IIT Kharagpur. Having joined IIT Delhi he received PhD in 1979 and continues working there. He pushed engineering teaching beyond confines of the classroom walls by involving students in "hands on" experience, a novel style highly appreciated by the students.

3. Prof. Shahani engaged in important areas of R & D, undertook over fifty R & D projects in 4 decades for DRDO, Army, Navy, and other institutions. One of these major project is the VLF Antenna developed for the Navy in the year 1980, which the then Defence Minister Shri R. Venkatraman visited and praised it. He contributed R&D solutions to the Army Technology Board 2006-19. His vital contributions over past 17 years (as member and later chairman of Technical Expert Committee) to the EVM for Election Commission of India have provided the corner stone for India's Electronic Voting platform. VVPAT an important addition to EVMs, was designed and introduced in GE-2014. Another design unauthorized access detector de-activates the EVM on detection of any intrusion. These and other contributions (8 patents filed by TEC, BEL, ECIL) and used in GE-2019 raised the bar on EVM performance to a new gold standard.

4. Prof Shahani has received many awards for his contributions, Some key awards are: Outstanding Instructional Element - 1992; Technology Development 1993; Outstanding Faculty - 1994; Excellence in Teaching -2011 all at IIT Delhi; Excellence in Art of Science & War-2015 Army Technology Board and National Award for Best Electoral Practices - Election Commission of India in 2017.

पद्म श्री



प्रो. दिलीप टी. शहानी

प्रो. दिलीप टी. शहानी वर्ष 1973 से विभिन्न शैक्षणिक और नेतृत्व वाली भूमिकाओं में एक सफल कैरियर को पूरा करने के बाद आईआईटी दिल्ली में मानद प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हैं। उन्हें उनकी अद्भुत शिक्षण कला के लिए जाना जाता है। वे ईसीआई की तकनीकी विशेषज्ञ समिति के अध्यक्ष हैं और आरबीआई तथा पुलिस में तकनीकी विशेषज्ञ हैं।

2. 15 अप्रैल 1950 को जन्मे, प्रो. शहानी ने आईआईटी खड़गपुर से 1973 में ईसीई (ECE) में प्रौद्योगिकी स्नातक की डिग्री प्राप्त की। आईआईटी दिल्ली में आने के बाद उन्हें वर्ष 1979 में पीएचडी की और यहीं पर अपना कार्य जारी रखा। ये "व्यवहारिक" अनुभव में छात्रों को शामिल करते हुए अभियांत्रिकी की शिक्षा को कक्षा की चारदीवारी से बाहर लेकर आए, इस शिक्षण कला को छात्रों से काफी ज्यादा सराहना मिली।

3. प्रो. शहानी अनुसंधान और विकास के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में कार्य कर रहे थे, उन्होंने डीआरडीओ, सेना, नौसेना और संस्थाओं के लिए 4 दशकों में पचास से ज्यादा अनुसंधान और विकास परियोजनाओं पर काम किया। इन्हीं में से एक प्रमुख परियोजना वर्ष 1980 में नौसेना के लिए विकसित वीएलएफ एंटीना है जिसको तत्कालीन रक्षामंत्री श्री आर वेंकटरमन देखने पहुंचे और इसकी प्रशंसा की। उन्होंने सेना प्रौद्योगिकी बोर्ड वर्ष 2006–19 के लिए अनुसंधान और विकास समाधानों के क्षेत्र में योगदान दिया। उन्होंने भारतीय चुनाव आयोग के लिए ईवीएम हेतु विगत 17 वर्षों तक (तकनीकी विशेषज्ञ समिति के सदस्य और बाद में अध्यक्ष के रूप में) महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, इसी योगदान ने भारत के इलेक्ट्रॉनिक मतदान प्लेटफॉर्म की आधारशिला रखी। ईवीएम में महत्वपूर्ण बदलाव करते हुए वीवीपैट मशीन जोड़ी गई जिसे जीई-2014 में बनाया और शुरू किया गया था। एक और डिजाइन अनधिकृत एक्सेस डिटेक्टर किसी छेड़छाड़ का पता चलने पर ईवीएम को बंद कर देता है। ऐसे और अन्य योगदानों (टीईसी, बीईएल, ईसीआईएल द्वारा फाइल किए गए 8 पेटेंट) और जीई-2019 में उपयोग किए गए उपकरण ने ईवीएम के प्रदर्शन के बार को ऊंचा करके नया गोल्ड स्टैंडर्ड प्रदान किया।

4. प्रो. शहानी को उनके योगदानों के लिए बहुत से पुरस्कार प्राप्त हुए हैं, इन पुरस्कारों में से कुछ पुरस्कार इस प्रकार हैं: आउटस्टैंडिंग इंटरनल एलिमेंट-1992; प्रौद्योगिकी विकास 1993; उत्कृष्ट फैकल्टी – 1994; आईआईटी दिल्ली में उत्कृष्ट शिक्षण कला – 2011; विज्ञान और युद्ध कला में उत्कृष्टता –2015 सेना प्रौद्योगिकी बोर्ड और वर्ष 2017 में सर्वोत्तम मतदान पद्धति – भारतीय चुनाव आयोग।